भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 02 | अंक - 14 | बिजौलिया - शनिवार,08 अगस्त,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

निकाय चुनाव में प्रत्याशियों को बड़ी राहत, चुनाव खर्च की सीमा बढ़ी

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी की नई गाइडलाइन, मतदान के दिन वाहन के लिए लेनी होगी अनुमति, चुनाव कार्यालयों पर लाउडस्पीकर रहेगा प्रतिबंधित

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

प्रदेश में होने वाले आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रत्याशियों के लिए चुनावी खर्च की नई सीमा तय करते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोग ने नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका के पार्षद प्रत्याशियों के चुनावी खर्च की सीमा में बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही चुनाव प्रचार, वाहनों के उपयोग, प्रचार सामग्री और चुनावी खर्च के लेखा-जोखा को लेकर भी सख्त नियम लागू किए गए हैं।

नई व्यवस्था के तहत नगर निगम के पार्षद प्रत्याशी अब अधिकतम 3.50 लाख रुपए, नगर परिषद के प्रत्याशी 2.50 लाख रुपए और नगर पालिका के प्रत्याशी 1.50 लाख रुपए तक चुनावी खर्च कर सकेंगे। इससे पहले यह सीमा क्रमशः 2.50 लाख, 1.50 लाख और 1 लाख रुपए थी। यानी

नगर निगम और नगर परिषद के प्रत्याशियों को एक-एक लाख रुपए तथा नगर पालिका के प्रत्याशियों को 50 हजार रुपए की अतिरिक्त खर्च सीमा का लाभ मिलेगा।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान के दिन यदि कोई प्रत्याशी चुनाव प्रचार या अन्य कार्य के लिए वाहन का उपयोग करना चाहता है तो उसे पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। वहीं चुनाव कार्यालयों पर लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा चुनाव प्रचार में कटआउट, पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाने के लिए भी आयोग की पूर्व स्वीकृति लेना आवश्यक रहेगा।

चुनाव प्रचार के दौरान ऊंटगाड़ी, बैलगाड़ी, तांगा, बस, ट्रक और मिनी बस जैसे वाहनों के उपयोग पर भी रोक लगाई गई है। आयोग का उद्देश्य चुनाव प्रचार को व्यवस्थित, पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित करना है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव तैयारियों के तहत सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को बजट भी आवंटित कर दिया है। प्रदेश के 10 नगर निगमों में चुनाव ड्यूटी करने वाले कार्मिकों के यात्रा एवं दैनिक भत्ते (टीए-डीए) के लिए 10.31 करोड़ रुपए तथा नगर परिषद और नगर पालिकाओं के चुनाव के लिए 19.33 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

आयोग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक प्रत्याशी को चुनाव परिणाम घोषित होने के 15 दिन के भीतर अपने चुनावी खर्च का पूरा विवरण आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। खर्च का निर्धारित समय में हिसाब नहीं देने पर निर्वाचन नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकेगी। नई गाइडलाइन के साथ आयोग ने साफ संकेत दिए हैं कि आगामी नगरीय निकाय चुनावों में चुनावी खर्च और प्रचार गतिविधियों की निगरानी पहले की तुलना में अधिक सख्ती से की जाएगी।

निकाय व पंचायती राज चुनाव की तैयारियां तेज, सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करें अधिकारी

आचार संहिता लागू होते ही हो सख्त पालन, संवेदनशील बूथों की पहचान व मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

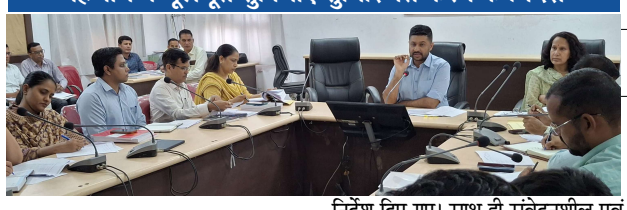

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के सभी प्रकोष्ठ प्रभारियों, रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक लेकर चुनावी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होते ही जिलेभर में उसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, निर्वाचन संबंधी सभी व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखने तथा पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान अलर्ट मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, रैंप, शेड, बिजली, फर्नीचर, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित सभी मूलभूत सुविधाओं का भौतिक सत्यापन कर उन्हें समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों का चिन्हीकरण, मतदान दलों के प्रशिक्षण, ईवीएम एवं वीवीपैट की उपलब्धता सहित सभी चुनावी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी करने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर संधू ने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक मतदाता लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाएं।

बैठक के दौरान सभी रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों से अब तक की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा निर्देश दिए गए कि चुनाव संबंधी प्रत्येक कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा कर निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सफल चुनाव सुनिश्चित किए जाएं।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) हरीतिमा, एडीएम सिटी प्रतिभा देवटिया, नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव से जुड़े सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहे।

ड्रग्स फ्री सिटी अभियान में बड़ी कार्रवाई, 8.37 किलो गांजा जब्त

सुभाष नगर थाना पुलिस ने एक तस्कर को दबोचा, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

ड्रग्स फ्री सिटी अभियान के तहत पुलिस को शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली। सुभाष नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 किलो 370 ग्राम गांजा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिलने पर थानाधिकारी कैलाश चंद्र बिश्नोई के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान सोनू उर्फ चंद्रप्रकाश हरिजन (44) निवासी सुभाष नगर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 8 किलो 370 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

पूछताछ में तस्करी की बात स्वीकार

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने गांजा लाकर उसकी बिक्री करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। जांच के दौरान नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

सप्लाई नेटवर्क की जांच तेज

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच की जा रही है। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा

रहा है और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

कार्रवाई में थानाधिकारी कैलाश चंद्र बिश्नोई के साथ सोनू कुमार जीनगर एवं सुनील विश्नोई की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर आज भीलवाड़ा दौरे पर, विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास

पौधारोपण कार्यक्रमों में लेंगे भाग, पीपलूंद में योजनाओं का शुभारंभ भी करेंगे

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

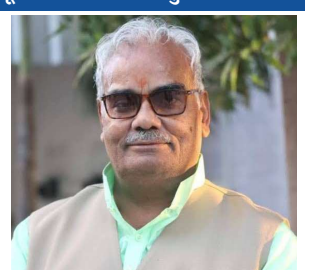

राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर भीलवाड़ा आएंगे। दौरे के दौरान वे विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ पौधारोपण अभियान में भी शामिल होंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री दिलावर शुक्रवार देर रात कोटा से प्रस्थान कर रात्रि 12:30 बजे भीलवाड़ा पहुंचें तथा सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। शनिवार को वे भीलवाड़ा में आयोजित विभिन्न पौधारोपण कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे पीपलूंद के लिए रवाना होंगे, जहां राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के शुभारंभ, पौधारोपण तथा विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री दिलावर रात्रि 8 बजे भीलवाड़ा से कोटा के लिए प्रस्थान करेंगे।

नाकाबंदी में कार से 9 पेटी अवैध शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

पदेर थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक अल्टो कार से 9 पेटी अवैध शराब बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब और वाहन को जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी शंभू दयाल के नेतृत्व में थाना परिसर के सामने नियमित नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध अल्टो कार को रुकवाया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम धनराज पुत्र नारायण सिंह राजपूत तथा साथ बैठे व्यक्ति ने गिरधर सिंह पुत्र नारायण सिंह राजपूत, दोनों निवासी भीम का खेड़ा, थाना जहाजपुर, होना बताया।

पुलिस ने संदेह के आधार पर वाहन की तलाशी ली तो उसमें विभिन्न ब्रांड की कुल 9 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर शराब एवं कार जब्त कर ली।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्रसंघ चुनाव की बहाली को लेकर ABVP का उग्र प्रदर्शन, कार्यकर्ता ने कॉलेज परिसर में ली 'जीवित समाधि'

MLV कॉलेज में प्राचार्य का घेराव, सड़क जाम कर वाहनों के आगे लेटे कार्यकर्ता; बिल्डिंग पर चढ़कर भी जताया विरोध

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने शुक्रवार को माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं का आक्रोश उस समय चरम पर पहुंच गया, जब ABVP कार्यकर्ता दिनेश गुर्जर ने कॉलेज परिसर में गड्ढा खोदकर उसमें बैठकर 'जीवित समाधि' के जरिए विरोध जताया। इससे कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। कार्यकर्ताओं ने छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर कॉलेज प्राचार्य का घेराव किया और कॉलेज प्रशासन तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जमीन में बैठकर विरोध कर रहे दिनेश गुर्जर की तबीयत बिगड़ने पर कार्यकर्ताओं में और आक्रोश फैल गया। बाद में उन्हें उपचार के लिए महात्मा गांधी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

मुख्य सड़क पर जाम, वाहनों के आगे लेटे कार्यकर्ता

प्रदर्शन के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के बाहर मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। कई कार्यकर्ता सड़क पर वाहनों के आगे लेट गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। स्थिति को देखते हुए मौके पर काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता कॉलेज की बिल्डिंग पर भी चढ़ गए और विरोध जताया।

'चुनाव नहीं तो चुनाव शुल्क वापस करे सरकार'

प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर छात्रसंघ चुनाव जल्द बहाल करने की मांग की। ABVP ने चेतावनी दी कि यदि सरकार चुनाव बहाल नहीं करती है तो जिन वर्षों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए, उन वर्षों में छात्रों से चुनाव के नाम पर ली गई फीस वापस की जाए। ABVP कार्यकर्ता दिनेश गुर्जर ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव छात्रों के अधिकारों और उनकी समस्याओं की आवाज उठाने का माध्यम हैं। उन्होंने सरकार से जल्द चुनाव बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव बहाल नहीं किए गए तो प्रदेशभर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

गुर्जर ने आरोप लगाया कि जिन वर्षों में चुनाव नहीं हुए, उन वर्षों में भी छात्रों से चुनाव के नाम पर फीस ली गई। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव नहीं करवाए जाते हैं तो छात्रों की फीस वापस की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार को आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी।

ABVP कार्यकर्ता ने कहा कि संगठन ने 'जीवित समाधि' के जरिए सरकार तक अपना विरोध पहुंचाने का प्रयास किया है। प्रदर्शनकारियों ने छात्रसंघ चुनाव को छात्रों का अधिकार बताते हुए जल्द निर्णय नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

राज्य स्तरीय अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए भीलवाड़ा टीम नागौर रवाना

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राजस्थान फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबॉल संघ नागौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय 17 वर्षीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भीलवाड़ा की टीम नागौर रवाना हुई।

टीम को रवाना करने के दौरान पार्षद रेखा पुरी एवं संघ के चेयरमैन विशिष्ट विश्नोई ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों से टीम भावना के साथ खेलते हुए अपना शत-प्रतिशत प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

जिला फुटबॉल संघ के सचिव कैलाश चंद्र खटीक ने बताया कि टीम में कप्तान सुमित कोली के अलावा यश माली, नील सोनी, काव्यम दाधीच, देवम जैन, समरजीत, वैदिक छाबड़ा, अहसान मंसूरी, उत्कर्ष भांभी, देवराज बैरवा, शौर्य प्रताप, अरविंद, दक्ष जोशी, प्रणव खोईवाल, रोहित, लक्षित और हरपाल सिंह को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि टीम के कोच मिथिलेश मारू तथा मैनेजर चेतन शर्मा होंगे। प्रतियोगिता में भीलवाड़ा का पहला मुकाबला टोंक की टीम से होगा।

सावन में महाकाल का विशेष रुद्राभिषेक, भव्य पुष्प श्रृंगार के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया ।

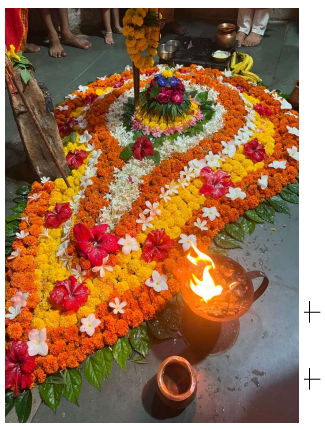

मानव तिवाड़ी। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर मन्दाकिनी महाकाल मंदिर में भगवान महाकाल का विशेष जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं भव्य पुष्प श्रृंगार श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। धार्मिक आयोजन के दौरान विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में भगवान शिव-पार्वती पूजन, श्री गणेश पूजन, नमकम-चमकम रुद्री पाठ एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना कराई गई। श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल का दुग्ध, दही, घृत, मधु, शक्कर तथा पवित्र जल से अभिषेक कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि मन्दाकिनी महाकाल मंदिर में पिछले 25 वर्षों से श्रावण मास के दौरान अखंड रामायण पाठ एवं विशेष अभिषेक की परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। इस वर्ष भी अखंड रामायण पाठ के साथ प्रतिदिन विशेष पूजा, महाआरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

भगवान महाकाल का आकर्षक पुष्प श्रृंगार एवं दीप सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन के बाद मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

छात्रसंघ चुनाव बहाल करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

(नरेश धाकड़) अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई बिजौलिया द्वारा शुक्रवार को राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री के नाम प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बिजौलिया के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर छात्र हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन में परिषद ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं उत्तरदायी उच्च शिक्षा व्यवस्था ही युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। वर्तमान में प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कई प्रशासनिक एवं संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है।

परिषद ने मांग की कि राजस्थान में छात्र नेतृत्व को विकसित करने के उद्देश्य से छात्रसंघ चुनाव शीघ्र पुनः बहाल किए जाएं। साथ ही राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के लिए समान अकादमिक कैलेंडर लागू किया जाए, महाविद्यालयों में रिक्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों पर नियमित नियुक्तियां की जाएं तथा सभी राजकीय महाविद्यालयों में नियमित प्राचार्यों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त सभी विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्वतंत्र विभाग स्थापित कर विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति करने की भी मांग रखी गई।

परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि इन मांगों के पूरा होने से प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण और विद्यार्थी-केंद्रित बनेगी। उन्होंने सरकार से छात्र हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर नगर मंत्री दीपक धाकड़, पूर्व नगर मंत्री दीपांशु चित्तौड़ा, जिला कार्यकारिणी सदस्य हिमांशु लक्षकार, इकाई अध्यक्ष धनंजय गुरुजी, उदयपुर वाणिज्य कॉलेज इकाई अध्यक्ष आशीष सोमानी, नगर सह मंत्री पंकज रेगर, नगर एसएफडी संयोजक कृष्ण गोपाल रेगर, राहुल बंजारा, रामप्रसाद बंजारा, माधव पाराशर, रवि ऐरवाल, नंदनी सेन, लक्ष्मी धाकड़ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोबाइल की लत छोड़ो, संस्कारों से भविष्य गढ़ो: गजेन्द्र गोपाल शास्त्री

विद्यार्थी केवल डिग्री नहीं, चरित्र भी कमाएं, आलोक सेंट्रल स्कूल में दिया प्रेरक संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

आलोक सेंट्रल स्कूल, शाहपुरा में शुक्रवार को श्री शिव महापुराण के प्रख्यात कथावाचक गजेन्द्र गोपाल शास्त्री का विद्यालय परिवार ने सम्मानपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित प्रेरक संवाद में उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और अनुशासित जीवन का महत्व बताते हुए मोबाइल की लत से दूर रहने का संदेश दिया।

शास्त्री ने कहा कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों की एकाग्रता, अध्ययन क्षमता, मानसिक विकास और पारिवारिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक का उपयोग केवल आवश्यकता और ज्ञानवर्धन के लिए करने तथा समय की बर्बादी से बचने का आह्वान किया।

उन्होंने एक आदर्श विद्यार्थी के पांच प्रमुख गुण अनुशासन, परिश्रम, विनम्रता, समय का सदुपयोग और गुरुजनों के प्रति सम्मान बताते हुए कहा कि इन्हें अपनाकर ही विद्यार्थी अपने जीवन में सफलता के साथ समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बन सकते हैं।

शास्त्री ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक या रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों का विकास और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से सनातन संस्कृति के आदर्शों को अपनाने, माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने तथा सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधान वीरेंद्र कुमार व्यास ने गजेन्द्र गोपाल शास्त्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व का मार्गदर्शन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उम्र भले पूरी हो जाए पर ज्ञान प्राप्ति की अभिलाषा कायम रहनी चाहिए- आचार्य पुलकसागर महाराज

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मैन सेक्टर शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में सूर्यमहल में चातुर्मास की धर्म साधना निरन्तर जारी है। प्रतिदिन गुरू दर्शन एवं धर्म संदेश श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है। आचार्य पुलकसागर महाराज ने शुक्रवार को धर्म संदेश प्रदान करते हुए कहा कि जिनवाणी को श्रवण करते हुए हृदय में उतारेंगे तो हमारा कल्याण होगा ओर आत्मा की प्यास मिट जाएगी। जब तक जिनवाणी नहीं सुनेंगे हमे जीवन का मर्म समझ में नहीं आएगा ओर हम अपने जीवन को सार्थक नहीं बना पाएंगे। चातुर्मास के रूप में जिनवाणी श्रवण का सुनहरा अवसर मिलता है जो इसका लाभ उठाते है वह अपने जीवन को धन्य बनाते है। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपने आत्मस्वरूप को नहीं पहचानेंगे जिंदगी का मर्म नहीं समझ पाएंगे। जिस दिन अपनी आत्मा को पहचान गए ये समझ जाएंगे कि हमे मनुष्य भव क्यों प्राप्त हुआ है। मनुष्य जीवन द्रव्य,क्षेत्र,काल ओर भावों की श्रृंखला में भ्रमण करता रहता है। आचार्यश्री ने कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। व्यक्ति कितना भी सीखे कम ही प्रतीत होता है। जीवन समाप्त हो जाता है पर ज्ञान प्राप्ति पूर्ण नहीं हो सकती है। इसलिए ज्ञान प्राप्ति की अभिलाषा हमेशा बनी रहनी चाहिए। ज्ञान प्राप्त करते रहने से जीवन सार्थक बन सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समतापूर्वक जीना जरूरी है। समता धारण किए बिना हम विभिन्न विकल्पों में उलझ जीवन के लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाएंगे। जो समता के भाव रखता है उसकी जिंदगी सहज व सरल बन जाती है। समता भाव रखने वाले सुख दुःख में भी समभाव रखते है ओर कठिन पल भी आसानी से गुजार देते है। श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि शुरू में दीप प्रज्वलन,पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य विमलादेवी, ओमप्रकाश, अशोककुमार, रविन्द्र, जिनेन्द्र, विनय कांटीवाल परिवार सुभाषनगर ने प्राप्त किया। चातुर्मास समिति के संयोजक मनीष शाह ने बताया कि सूर्यमहल में आचार्यश्री के सानिध्य में 14 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक प्रवचन होंगे। शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा एवं आरती का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल होकर लाभ प्राप्त कर रहे है। समिति के सह संयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि चातुर्मास का प्रमुख आकर्षण चित्रकूटधाम में 15 से 30 अगस्त तक सर्व समाज के लिए आयोजित होने वाले ज्ञान गंगा महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है।

इस महोत्सव में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आचार्यश्री के मुखारबिंद से प्रवचन सुनने उमड़ेंगे।

शोक की घड़ी में समाज सुधार का संकल्प : ठूमिया गांव ने बदली परंपरा, मृत्यु भोज में मिठाई नहीं बनेगी, धौरा प्रथा पर भी पूर्ण रोक

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

समाज में चली आ रही कुरीतियों के खिलाफ ठूमिया गांव ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए मृत्यु भोज में मिठाई बनाने और धौरा प्रथा पर पूर्ण रूप से रोक लगाने का सामूहिक निर्णय लिया है। गांव में आयोजित बैठक में ग्रामवासियों और समाज के गणमान्य लोगों ने सर्वसम्मति से यह फैसला लिया। इसे समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह निर्णय श्री राष्ट्रीय करणी सेना मेवाड़ के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान) बबलू सिंह ठूमिया के पूज्य पिता ठाकुर अमर सिंह शक्तावत के देहावसान के अवसर पर आयोजित सामाजिक बैठक में लिया गया। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि मृत्यु जैसे दुखद अवसर पर होने वाले अनावश्यक खर्च को कम करने और समाज में सादगी को बढ़ावा देने की दिशा में यह पहल अहम साबित होगी।

बैठक में तय किया गया कि भविष्य में गांव एवं समाज में होने वाले मृत्यु भोज में मिठाई नहीं बनाई जाएगी। इसके साथ ही वर्षों से चली आ रही धौरा प्रथा को भी पूरी तरह बंद करने पर सहमति बनी। उपस्थित समाजजनों ने इस निर्णय को सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव की दिशा में उठाया गया कदम बताया।

बैठक में ठाकुर भंवर सिंह, शिव सिंह, महेंद्र सिंह, हेमेंद्र सिंह, पिंटू सिंह, भेरू सिंह, गजेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, नरपत सिंह, ज्ञान सिंह, गोविंद सिंह, प्रहलाद सिंह, शैतान सिंह, बहादुर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, समाज के गणमान्य नागरिक और श्री राष्ट्रीय करणी सेना के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आने वाली पीढ़ियों के लिए बने मिसाल

समाजजनों ने एक स्वर में निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने भविष्य में भी सादगी, एकता और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने इस पहल को आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुकरणीय बताते हुए अन्य गांवों से भी ऐसी सकारात्मक पहल करने का आह्वान किया।

QUICK BITES

फ्लैगशिप योजनाओं और बजट घोषणाओं की कलेक्टर ने की समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन और व्यापक प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करें तथा उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों से प्रगति रिपोर्ट ली। साथ ही निर्देश दिए कि जिन घोषणाओं पर कार्य चल रहा है, उन्हें बिना अनावश्यक विलंब के निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

कलेक्टर ने विशेष रूप से वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं के तहत स्वीकृत विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि उनका लाभ समय पर आमजन तक पहुंच सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रगति की समीक्षा करने को भी कहा। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सिटी) प्रतिभा देवटिया, नगर विकास न्यास के ओएसडी पुनीत गेलरा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाघ की झोपड़ियां विद्यालय उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत, ग्रामीणों ने मनाया जश्न

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

राज्य सरकार द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बाघ की झोपड़ियां को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किए जाने की घोषणा से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। आदेश जारी होने के बाद शुक्रवार को ग्रामीणों ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया।

ग्रामीणों ने इसे गांव के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि लंबे समय से विद्यालय को उच्च माध्यमिक स्तर पर क्रमोन्नत करने की मांग की जा रही थी। अब क्षेत्र के विद्यार्थियों को 11वीं और 12वीं की पढ़ाई के लिए दूसरे गांवों या कस्बों में नहीं जाना पड़ेगा।

रामलाल मीणा ने बताया कि विद्यालय के क्रमोन्नत होने पर ग्रामीणों ने जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधायक के प्रयासों से क्षेत्र को यह महत्वपूर्ण सौगात मिली है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इसी शैक्षणिक सत्र से उच्च माध्यमिक कक्षाओं का संचालन शुरू हो जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को तत्काल लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक नवरत्न दाधीच, सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश गुर्जर, रतीराम मीणा, खान सिंह मीणा, फूलचंद मीणा, वार्ड पंच रतनलाल प्रजापत, शिक्षक जगरूप गुर्जर, विक्रम जांगिड़, सुमेर कुमार, रामदयाल यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

छह विधायक देने वाला गांव, लेकिन हिन्दी माध्यम की पढ़ाई नहीं

राजनीति में अव्वल, शिक्षा में पिछड़ा कनेछन कलां; 17 किमी दूर पढ़ने को मजबूर विद्यार्थी

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

विधानसभा क्षेत्र का कनेछन कलां गांव राजनीतिक पहचान के लिए पूरे क्षेत्र में 'विधायक नगरी' के नाम से जाना जाता है। इस गांव ने अब तक प्रदेश को छह विधायक दिए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज यहां के बच्चों को कक्षा 6 से 12 तक हिन्दी माध्यम में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध नहीं है। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए दूसरे कस्बों का रुख करना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत मुख्यालय कनेछन कलां में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), राजकीय बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय छात्रावास तथा श्री अम्बेडकर राजकीय समाज कल्याण छात्रावास संचालित हैं। बावजूद इसके, कक्षा 6 से 12 तक हिन्दी माध्यम में अध्ययन की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार पूर्ववर्ती राज्य सरकार के समय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में परिवर्तित किए जाने के बाद गांव में हिन्दी माध्यम की पढ़ाई पूरी तरह बंद हो गई। इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों पर पड़ा। कई छात्र अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई जारी नहीं रख सके और उन्हें या तो दूसरे कस्बों में प्रवेश लेना पड़ा या फिर पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी।

वर्तमान में विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम से अध्ययन के लिए 17 किलोमीटर दूर शाहपुरा अथवा 10 किलोमीटर दूर फूलियाकलां जाना पड़ता है। प्रतिदिन आवागमन, परिवहन की कमी और अतिरिक्त खर्च के कारण कई विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। शिक्षा से जुड़े लोगों का मानना है कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते ड्रॉपआउट का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है।

छात्रावास की सीटें भी खाली

गांव में संचालित श्री अम्बेडकर राजकीय समाज कल्याण छात्रावास में करीब 25 सीटें खाली पड़ी हैं। वहीं कक्षा 11वीं एवं 12वीं में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में विद्यार्थियों की संख्या शून्य होना क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जनप्रतिनिधियों को कराया अवगत

ग्राम पंचायत प्रशासक गीता देवी गुर्जर ने बताया कि पंचायत मुख्यालय होने के बावजूद विद्यार्थियों के लिए कक्षा 6 से 12 तक हिन्दी माध्यम उपलब्ध नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस संबंध में ग्रामीणों के साथ स्थानीय विधायक, सांसद तथा शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री को भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द सकारात्मक निर्णय लेकर विद्यार्थियों को राहत देगी।

हिन्दी माध्यम फिर से शुरू करने की मांग

समग्र शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रामधन बैरवा ने कहा कि कनेछन कलां जैसे बड़े पंचायत मुख्यालय पर हिन्दी माध्यम की पढ़ाई पुनः शुरू होना आवश्यक है। उनका कहना है कि शिक्षा का अधिकार केवल विद्यालय भवन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप अध्ययन का माध्यम भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम के साथ हिन्दी माध्यम भी पुनः प्रारंभ करने की मांग की।

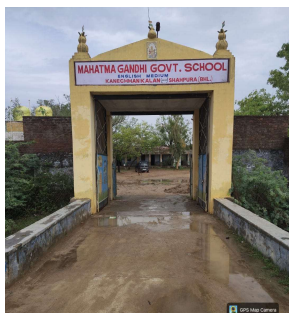

ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में अधिक विद्यार्थी शिक्षा से विमुख होंगे। उनका कहना है कि जिस गांव ने प्रदेश को छह विधायक दिए, वहां के बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा के लिए दूसरे कस्बों में भटकना पड़े, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

गौ माता को 'राष्ट्र माता' दिलाने की मुहिम : गोपाल गुर्जर ने केंद्रीय मंत्री सविता ठाकुर से की मुलाकात, गौ संरक्षण पर हुई चर्चा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

गौ माता को 'राष्ट्र माता' का सम्मान दिलाने की मुहिम और गुर्जर समाज की एकजुटता को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रीय हिन्दू भोज सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल गुर्जर ने नोएडा में आयोजित अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की राष्ट्रीय बैठक में भाग लेने के बाद नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सविता ठाकुर से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान गौ संरक्षण, गौ सेवा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। गोपाल गुर्जर ने केंद्रीय मंत्री को गौ सेवा और संरक्षण से जुड़े अपने अभियानों की जानकारी देते हुए गौ माता को 'राष्ट्र माता' के रूप में सम्मान दिलाने की मुहिम का मुद्दा रखा। इस पर मंत्री ने गौ सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अभियान में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

तालकटोरा स्टेडियम में शक्ति प्रदर्शन की तैयारी

इधर, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने आगामी 29 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित गुर्जर स्वाभिमान रैली की तैयारियां तेज कर दी हैं। रैली में देशभर से बड़ी संख्या में समाजबंधुओं को जुटाने की रणनीति पर नोएडा में हुई राष्ट्रीय बैठक में मंथन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने की, जबकि संचालन गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किया। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्यों के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी इसमें शामिल हुए।

बैठक में बताया गया कि रैली के लिए आवश्यक प्रशासनिक अनुमतियां प्राप्त हो चुकी हैं। आयोजन को भव्य रूप देने के लिए अलग-अलग समितियां गठित कर जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। संगठन विस्तार और समाज के अधिक से अधिक लोगों को रैली से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया गया।

गोपाल गुर्जर की केंद्रीय मंत्री से मुलाकात और राष्ट्रीय स्तर की संगठनात्मक सक्रियता को गुर्जर समाज के बीच उनकी बढ़ती भूमिका के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। समाज के लोगों ने इसे संगठन के लिए सकारात्मक पहल बताते हुए आगामी कार्यक्रमों की सफलता के प्रति विश्वास व्यक्त किया।

9 अगस्त को निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा, 5000 शिवभक्त होंगे शामिल, 51 फीट की भव्य कांवड़ रहेगी मुख्य आकर्षण

पूर्वांचल जनचेतना सेवा समिति के तत्वावधान में होगा आयोजन, निंबार्क आश्रम से हरणी महादेव मंदिर तक निकलेगी कांवड़ यात्रा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

श्रावण मास के पावन अवसर पर परम पूज्य श्री श्री 108 महंत मोहन शरण शास्त्री जी महाराज के पावन सानिध्य में पूर्वांचल जनचेतना सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार, 09 अगस्त 2026 को विशाल, भव्य एवं दिव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा प्रातः 8:30 बजे निंबार्क आश्रम, गांधीनगर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए हरणी महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया जाएगा।

परम पूज्य श्री श्री 108 महंत मोहन शरण शास्त्री जी महाराज ने बताया कि इस वर्ष की कांवड़ यात्रा को विशेष आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान किया गया है। देश के विभिन्न पवित्र तीर्थस्थलों से लाए गए पावन जल को विशेष कलशों में एकत्रित कर कांवड़ में स्थापित किया जाएगा। इसी पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, श्रद्धा, सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यात्रा के माध्यम से समाज में धार्मिक जागरूकता, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया जाएगा।

मीडिया प्रभारी विक्रम झा ने बताया कि इस वर्ष यात्रा में लगभग 5000 शिवभक्तों के शामिल होने की संभावना है। यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण 51 फीट की भव्य कांवड़ रहेगी। यात्रा के दौरान 'हर-हर महादेव एवं कांवड़ 'बोल बम के जयघोष, भजन-कीर्तन और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण शिवमय रहेगा।

उन्होंने बताया कि सभी कांवड़िए नंगे पैर यात्रा करेंगे। महिला, पुरुष, युवा, बुजुर्ग एवं बच्चे बड़ी संख्या में इस धार्मिक यात्रा का हिस्सा बनेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, सुरक्षा, भजन-कीर्तन एवं प्रसादी सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। हरणी महादेव मंदिर पहुंचने के बाद भगवान शिव का जलाभिषेक, महाआरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

पूर्वांचल जनचेतना सेवा समिति के अध्यक्ष अरुण राय ने बताया कि समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में श्रद्धा, सेवा एवं सामाजिक समरसता की भावना के साथ इस विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है। उन्होंने सभी शिवभक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में सहभागी बनकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में संरक्षक विजयानंद झा, आनंद राय, एच.एल. बघेल, अशोक सिंह, सचिव ओम प्रकाश सिंह, हंसराज यादव एवं संतोष झा सहित समिति के सभ सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

जिला उप चिकित्सालय को लेकर भ्रम न फैलाएं, स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा विस्तार: विधायक गोपीचंद मीणा

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

जहाजपुर में प्रस्तावित जिला उप चिकित्सालय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच विधायक गोपीचंद मीणा ने जन संवाद केंद्र पर प्रेस वार्ता आयोजित कर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि अस्पताल को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक बातों पर जनता ध्यान न दे, पुराना चिकित्सालय यथावत संचालित रहेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी प्रकार की कटौती नहीं होगी। विधायक मीणा ने कहा कि प्रस्तावित 150 बिस्तरों का जिला उप चिकित्सालय क्षेत्र की जनता को आधुनिक एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसके शुरू होने के बाद गंभीर उपचार के लिए भीलवाड़ा, अजमेर सहित अन्य शहरों पर निर्भरता कम होगी और लोगों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा अस्पताल को लेकर अनावश्यक भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि नई स्वास्थ्य सुविधाओं के जुड़ने से क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

प्रेस वार्ता में विधायक ने आंदोलन समिति द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए अस्पताल की भूमि, वर्तमान व्यवस्था, उपलब्ध सुविधाओं एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अस्पताल निर्माण एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित प्रत्येक निर्णय जनभावनाओं को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा।

80 वर्षों से प्रज्वलित है अखंड ज्योत व धूणी, आस्था और इतिहास का संगम है प्राचीन कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर

रेवा नदी के उद्गम स्थल, विशाल कुंड और प्राचीन धार्मिक मान्यताओं के कारण देशभर के श्रद्धालुओं की पहली पसंद बना उपरमाल का प्रसिद्ध शिवधाम

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

(नरेश धाकड़)

शिवभूमि उपरमाल क्षेत्र के छोटी बिजोलिया गांव में प्राचीन कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर धार्मिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक महत्व के कारण प्रदेश के प्रमुख आस्था केंद्रों में अपनी अलग पहचान रखता है। तालाब के पास स्थित यह मंदिर खोडिया विशाल कुंड, प्राचीन मान्यताओं और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। सावन माह में यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त सराय भी उपलब्ध है।

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष कमलेश बावतिया ने बताया कि कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास कई शताब्दियों पुराना है। मंदिर में पिछले 70 से 80 वर्षों से अखंड ज्योत और अखंड धूणी निरंतर प्रज्वलित हैं, जो यहां की प्रमुख धार्मिक

परंपरा का प्रतीक हैं। मंदिर के समीप स्थित विशाल कुंड को स्थानीय लोग औषधीय गुणों से युक्त मानते हैं। मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने से त्वचा संबंधी रोगों में लाभ मिलता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, मेवाड़ के तत्कालीन राजा हवन को कुष्ठ रोग हो गया था। उन्होंने इसी पवित्र कुंड में स्नान किया, जिससे उन्हें रोग से मुक्ति मिली। बाद में उन्होंने तिलस्वां महादेव में अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर विशेष पूजा-अर्चना करवाई। मान्यता यह भी है कि मंदिर के सामने से रेवा नदी का उद्गम स्थल है, जो प्राचीन काल में बारहों महीने प्रवाहित रहती थी।

मंदिर परिसर में गणेश मंदिर, मंगलपूर्ण माताजी मंदिर, शिव नंदी, पूर्वमुखी बाल रूप बालाजी मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर तथा काल भैरव मंदिर स्थित हैं। परिसर में महंत भोलेनाथ की समाधि भी बनी हुई है, जहां श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हैं।

हर वर्ष माघ अमावस्या और महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। वर्ष 2017 में मंदिर परिसर में 21 कुंडीय महायज्ञ का भव्य आयोजन हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मंदिर का विशाल एवं भव्य स्वरूप इसकी विशेष पहचान है। मंदिर में 16 स्तंभ और 17 तोरण द्वार इसकी प्राचीन स्थापत्य कला की सुंदर झलक प्रस्तुत करते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-27 से बेरीसाल होते हुए तथा बिजोलिया-मालीपुरा मार्ग से सड़क सुविधा उपलब्ध है। निकट ही स्थित झरने भड़क महादेव और झरिया महादेव भी प्रमुख धार्मिक स्थल हैं, जहां श्रद्धालु आसानी से पहुंच सकते हैं।

वर्तमान में सावन माह के दौरान मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। प्रतिदिन पंडित विजेश शर्मा के सान्निध्य में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, शिव चालीसा एवं चमक पाठ का आयोजन किया जा रहा है। पूरे मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण शिवमय बना हुआ है और श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है।

QUICK BITES

देवर्षि नारद समस्त महापुरुषों के आद्य आचार्य, उन्हीं से प्रवाहित हुई ज्ञान की धारा - संत नवनिधराम महाराज

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

रामस्नेही संप्रदाय की मुख्यपीठ रामनिवास धाम, शाहपुरा में चल रहे पावन चातुर्मास प्रवचनों की श्रृंखला में शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज ने कथा-वाचन के दौरान गुरु-शिष्य परंपरा, आचार्य परंपरा तथा देवर्षि नारद के दिव्य व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतवर्ष में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उन सभी के आद्य आचार्य देवर्षि नारद हैं। ज्ञान, भक्ति और धर्म की जो अविरल धारा प्रवाहित हुई, उसका मूल स्रोत नारदजी ही हैं।

संत नवनिधराम महाराज ने नारद पुराण का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद केवल एक ऋषि या देवदूत नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार स्तंभ हैं। वे समस्त शास्त्रों के परम पंडित, धर्म के उपदेशक, सदुणों के भंडार और अपार तेजस्विता के प्रतीक थे। उनका जीवन सदाचार, करुणा, लोककल्याण और निष्काम भक्ति का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद समस्त वेदों के तत्त्वज्ञ, इतिहास और पुराणों के मर्मज्ञ, धर्मतत्त्व के ज्ञाता तथा शिक्षा, व्याकरण, संगीत और नीति के अप्रतिम विद्वान थे। वे ऐसे महान आचार्य थे जो जटिल से जटिल शंकाओं का समाधान सहजता से कर देते थे। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के गूढ़ रहस्यों के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के कल्याण का मार्ग भी उन्होंने अपने उपदेशों से प्रशस्त किया।

प्रवचन के दौरान संत नवनिधराम महाराज ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ होता है। गुरु के सान्निध्य में ही व्यक्ति आत्मज्ञान, विवेक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिकतावादी युग में जब जीवन अनेक प्रकार के भ्रम और विकर्षणों से घिरा हुआ है, तब सच्चे गुरु, आचार्य और संत का सान्निध्य पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। वही मनुष्य को तत्वज्ञान का बोध कराकर उसके जीवन को सार्थक, अनुशासित और कल्याणकारी बनाते हैं।

प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के आध्यात्मिक संदेशों ने उपस्थित जनसमुदाय को भारतीय संस्कृति, गुरु-भक्ति और ज्ञान परंपरा के प्रति नई प्रेरणा प्रदान की।

सावर पंचायत समिति क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत अवैध नल कनेक्शनों की जांच की मांग, ग्रामीणों ने PHED से की कार्रवाई की अपील

भीलवाड़ा फोकस @ सावर।

दिलखुश

राजस्थान में जल जीवन मिशन (JJM) का संचालन राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) द्वारा किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। योजना की लागत सामान्यतः केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 50:50 के अनुपात में वहन की जाती है। इसी बीच सावर पंचायत समिति क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत संचालित नल कनेक्शनों को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि योजना के तहत वैध नल कनेक्शनों के साथ-साथ बड़ी संख्या में अवैध नल कनेक्शन भी संचालित किए जा रहे हैं। उनका कहना है कि योजना का लाभ लेने वाले प्रत्येक उपभोक्ता से लगभग 2100? 2500? 3000 रूपए की राशि वसूली गई थी, लेकिन इसके बावजूद कई स्थानों पर बिना वैध स्वीकृति के नल कनेक्शन चल रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांवों की गलियों और मोहल्लों में राजनीतिक प्रभाव रखने वाले कुछ लोगों द्वारा अवैध नल कनेक्शन कर लिए गए हैं, जिसके कारण योजना से विधिवत जुड़े उपभोक्ताओं को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे नियमित जलापूर्ति प्रभावित हो रही है और आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) से मांग की है कि क्षेत्र

में संचालित सभी नल कनेक्शनों का भौतिक सत्यापन कराया जाए तथा जिन कनेक्शनों का रिकॉर्ड जल जीवन मिशन के पोर्टल पर दर्ज नहीं है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस जारी कर अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जल जीवन मिशन के पोर्टल पर दर्ज उपभोक्ताओं की संख्या और वास्तविक रूप से संचालित नल कनेक्शनों की संख्या में काफी अंतर है। उन्होंने विभाग से वास्तविक रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि जांच में किसी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की मिलीभगत सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

कई जन्मो का पुण्योदय होता है जब भारत की धरती पर जन्म होता-आचार्य रामदयालजी महाराज

व्यक्ति का अज्ञान जीवन में मानसिक संताप एवं दुःखों का कारण

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

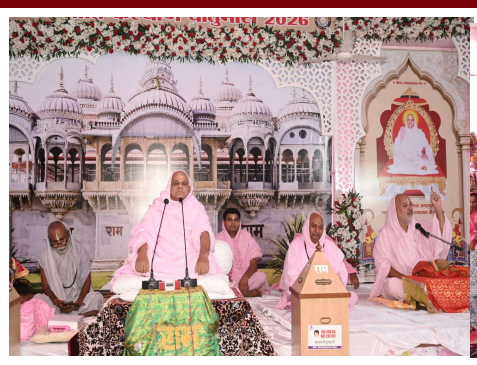

संसार का स्नेह ओर प्रेम व्यक्ति को कमजोर करता है जबकि सदुरू का प्रेम व स्नेह इंसान को मजबूत बनाता है। संसार का बंधन इंसान को कमजोर बनाता जबकि सदुरू का बंधन उसे मजबूती प्रदान करता है। इसीलिए राम गुरू के बंधन में बंधकर ज्ञानी चौरासी के बंधन से मुक्त होने का दावा करते है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरू आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने शुक्रवार को ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत दैनिक सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई जन्मो का पुण्योदय होता है जब भारत की धरती पर जन्म होता है, अनंत जन्मो का भाग्योदय होता है तब रामस्नेही सम्प्रदाय की कल्पतरू छत्रछाया मिलती है। जब सौभाग्योदय होता है तब सदुरू की कृपा एवं भजन करने का अवसर मिलता है। सदुरू की कृपा से ही जीवन धन्य होता है। आचार्यश्री ने कहा कि कई लोग सम्मानित व्यक्ति, ज्ञानीजन व गुरू जिनकी कृपा से जीवन व ज्ञान मिला जब उनके समक्ष भी मिथ्या ज्ञान बखानते है ओर वाद विवाद खड़ा करते है जबकि इस तरह के कृत्यों के भयंकर परिणामों के बारे में शास्त्रों में आगाह भी किया गया है। शास्त्र के किसी भी कथन को सत्य कहने का दम नहीं है तो असत्य कहने का भी कोई अधिकार नहीं है। वेदों, शास्त्रों, पुरानों व अनुभव वाणी में जो भी लिखा है वह अक्षरशः सही है। उन्होंने कहा कि ज्ञानी जब अज्ञान की बात करता है तो वह भी अज्ञानी हो जाता है। गुरू, वेद, धर्म व संस्कृति का सम्मान होना चाहिए। घर,परिवार,समाज, राष्ट्र, विश्व में विवाद, विरोध व विद्रोह के तीन प्रमुख कारण अज्ञानवाद, अर्थवाद व अहंकारवाद होते है। विवाद का सबसे बड़ा कारण अज्ञान होता है। आचार्य रामदयालजी महाराज ने कहा कि जो व्यवहार हमे अपने लिए पसंद नहीं वह दूसरों से नहीं करे पर अज्ञान इसे स्वीकार नहीं करता, वह अपने लिए अच्छा व्यवहार चाहता है पर दूसरे के साथ दुर्व्यवहार करता है। व्यक्ति अपने अज्ञान से जितना मानसिक संताप एवं दुःख प्राप्त करता है वह किसी अन्य कर्म से नहीं होता है। दुनिया में तन के दुःखी कम ओर मन के दुःखी असंख्य है। उन्होंने भीलवाड़ा की पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि इसी धरा पर स्वामी रामचरण महाराज ने प्रकट होकर अलौकिक भक्ति की ओर विक्रम संवत 1817 में भीलवाड़ा की धरती पर अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना कर अनुभव वाणी जैसे महान ग्रंथ का सृजन किया। भीलवाड़ा अनुभव वाणी की प्राकट्य भूमि है। इसमें संतों की अनुभूति एवं अनुभव है। आचार्यश्री से पूर्व अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन दिया। कोटा से आए संत प्रीतमरामजी ने भजन की प्रस्तुति दी। प्रवचन के विश्राम पर श्रद्धालुओं द्वारा आचार्यश्री रामदयालजी महाराज की आरती की गई। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। चातुर्मास में दैनिक सत्संग का समय सुबह 9 से 10 बजे तक है। रामधुनी के साथ सुबह 8.30 से 9 बजे तक वाणीजी का पाठ हो रहा है। सूर्यास्त के समय संध्या आरती एवं रामस्नेही सम्प्रदाय के युवा संत रामजस ईडर द्वारा भक्तमाल की कथा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है।

19वीं कांवड़ यात्रा 13 अगस्त को रणकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी

भीलवाड़ा फोकस @ आगूचा।

सावन मास के पावन अवसर पर भगवान शिव के भक्तों द्वारा निकाली जा रही 19वीं कांवड़ यात्रा 13 अगस्त को लोहा गर्ल स्थित सूर्यकुंड से जल लेकर मानसी नदी तट स्थित रणकेश्वर महादेव मंदिर, आगूचा पहुंचेगी। यात्रा को लेकर शिव भक्तों में उत्साह का माहौल है।

आयोजकों के अनुसार इस वर्ष कांवड़ यात्रा में करीब 15 कांवड़ियों का जत्था शामिल होगा। यात्रा गाजे-बाजे और भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ श्रद्धा एवं भक्तिभाव से निकाली जाएगी।

आयोजन से जुड़े शिवकुमार जोशी ने बताया कि रणकेश्वर महादेव मंदिर में पूर्व में उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकाल से भी कांवड़ लाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से आगामी वर्षों में भी विभिन्न पवित्र तीर्थस्थलों से कांवड़ लाने की तैयारी की जा रही है।

सावन मास के दौरान रणकेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिदिन दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

नाली की सफाई से सड़क पर रुका जलभराव, विद्यार्थियों व राहगीरों को मिली राहत

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाने वाले मार्ग पर लंबे समय से नाली जाम होने और सड़क पर गंदा पानी भरने की समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग ने नाली की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था सुचारू कर दी है। नाली में उगे अंग्रेजी बबूल को हटाने के बाद अब सड़क पर पानी का भराव नहीं हो रहा है, जिससे विद्यार्थियों, शिक्षकों और राहगीरों को राहत मिली है।

इसके साथ ही मोहल्ले से आने वाले पानी को भी अस्थायी रूप से नाली से जोड़ दिया गया है, जिससे वर्षा एवं घरेलू पानी की निकासी पहले की अपेक्षा बेहतर हो गई है।

हालांकि विद्यालय की पानी की टंकी से निकलने वाले पानी का अभी भी स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। वर्तमान में अस्थायी रूप से एक सूखा गड्ढा बनाकर पानी एकत्र किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग करते हुए कहा कि उचित निकासी व्यवस्था होने से भविष्य में जलभराव की समस्या पूरी तरह समाप्त हो सकेगी।

श्री कोटड़ी श्याम की चौथी पैदल यात्रा रवाना, जयकारों से गूंजे मार्ग

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

पडेर कस्बे से श्री कोटड़ी श्याम की चौथी पैदल यात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ रवाना हुई। यात्रा का शुभारंभ शुक्रवार सुबह श्री चारभुजा नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

इसके बाद पैदल यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने यात्रियों का पुष्पवर्षा एवं स्वागत-सत्कार किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान श्री चारभुजा नाथ के भजनों पर नृत्य करते हुए जयकारे लगाते आगे बढ़े। बस स्टैंड स्थित बालाजी मंदिर में दर्शन कर यात्रियों ने आशीर्वाद भी लिया।

बस स्टैंड पर खलील मोहम्मद के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोगों ने पदयात्रियों का स्वागत कर सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की। वहीं माताजी का खेड़ा बस स्टैंड पर समाजसेवी देवराज भाट की ओर से यात्रियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।यात्रा का रात्रि विश्राम कोटड़ी श्याम में रखा गया, जहां भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने देर रात तक भक्ति रस का आनंद लिया।

आयोजकों के अनुसार यात्रा शनिवार सुबह श्री कोटड़ी श्याम मंदिर पहुंचेगी, जहां विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।